एफडीआई-फॉर्च्यून 500 नीति से तीन जिलों में 2606 करोड़ रुपये के निवेश

लखनऊ। कैबिनेट बैठक में एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश), विदेशी पूंजी निवेश (एफसीआई), फॉर्च्यून ग्लोबल-500 एवं फॉर्च्यून इंडिया-500 निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 के तहत तीन जिलों में तीन परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी करने की मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं में 2606.04 करोड़ रुपये का निवेश होगा और करीब 750 रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि मंजूरी के बाद परियोजनाओं को नीति के तहत निर्धारित वित्तीय प्रोत्साहनों का लाभ देने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। तीनों इकाइयां औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी हैं, जिससे खाद्य प्रसंस्करण, पेय पदार्थ पैकेजिंग और प्लास्टिक आधारित निर्माण सामग्री के क्षेत्र में प्रदेश की क्षमता बढ़ेगी। दरअसल, नीति के तहत पात्र परियोजनाओं को पूंजी सब्सिडी, शुद्ध एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, पांच वर्ष तक बिजली शुल्क में 100 फीसदी छूट और कौशल विकास से जुड़े प्रोत्साहन दिए जाएंगे। संबंधित विभागों

- बिजनौर में एग्रिस्टो मासा प्राइवे लिमिटेड फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज का उत्पादन करेगी। परियोजना में 794.27 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। परियोजना से करीब 345 रोजगार सृजित होने का अनुमान है।
- उन्नाव में कैनपैक इंडिया प्राइवे लिमिटेड करीब 26 हेक्टेयर भूमि एल्युमिनियम बेवरेज कैन की इका स्थापित करेगी। परियोजना में 1573.62 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इससे करीब 160 रोजगार सृजित होने का अनुमान है
- कानपुर देहात में सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड 238.15 करो रुपये का निवेश करेगी। नफॉर्च्यून इंडिया-500 श्रेणी की कंपनी की परियोजना से करीब 245 रोजगार मिलने का अनुमान है।

वित्त, राज्य कर, स्टांप एवं रजिस्ट्रेश राजस्व और श्रम की अनापत्ति सैद्धांतिक सहमति के परियोजनाओं को बढ़ाने का रा साफ हुआ है। ब्यूरो